

1 राष्ट्रीय विनिर्माण निवेश नीति (NIPU-2026)

- कैबिनेट ने NIPU-2026 को मंजूरी दी।
- बड़े पैमाने पर विनिर्माण निवेश को आकर्षित करना।
- घरेलू मूल्य संवर्धन व वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना।
- आपूर्ति श्रृंखला, अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना।
- रोजगार सृजन व क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना।
- मेक इन इंडिया, PLI, PM गाति शक्ति व राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति से जुड़ी।



महत्व: विनिर्माण, निर्यात, नवाचार, और दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा।

कीवर्ड: विनिर्माण | निवेश | मूल्य संवर्धन | प्रतिस्पर्धात्मकता | रोजगार | आपूर्ति श्रृंखला | लॉजिस्टिक्स

2 सेमिकॉन 2.0 – भारत का अर्धचालक (सेमिकंडक्टर) मिशन

- सेमिकॉन 2.0 को दीर्घकालिक समर्थन की पुनः पुष्टि।
- फ़ेब निर्माण, ATMP/OSAT, डिस्के फ़ेब व डिज़ाइन पारिस्थितिकी तंत्र का विकास।
- अनुसंधान, डिज़ाइन व नवाचार को प्रोत्साहन।
- AI, रक्षा, दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, ई-वाहन आदि के लिए महत्वपूर्ण।
- आयात निर्भरता कम होगी।
- उच्च कौशल रोजगार का सृजन।



महत्व: रणनीतिक आत्मनिर्भरता व डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक।

कीवर्ड: सेमिकंडक्टर | रणनीतिक प्रौद्योगिकी | आत्मनिर्भरता | इकोसिस्टम | चिप डिज़ाइन | नवाचार

3 भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (CETA)

- PIB पूछभूमि पत्र में CETA के प्रमुख परिणाम बताए गए।
- लगभग 99% भारतीय निर्यात को यूके में शुल्क-मुक्त पहुंच।
- सेवाओं क्षेत्र में अधिक अवसर।
- पेशेवरों व व्यवसायियों की आवाजाही में सुविधा।
- सामाजिक सुरक्षा पर द्विपक्षीय योगदान संधि।
- श्रम-प्रधान क्षेत्रों व MSME को लाभ।



लाभान्वित प्रमुख क्षेत्र



महत्व: निर्यात, निवेश, रोजगार और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा।

कीवर्ड: CETA | FTA | व्यापार | निर्यात | सेवाएँ | MSME | द्विपक्षीय सहयोग

4 कौशल पारिस्थितिकी तंत्र और विश्व युवा कौशल दिवस

- भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने पर पूछभूमि पत्र।
- थीम: "कौशल से सशक्त भारत"।
- उद्योग-सम्बद्ध कौशल विकास पर बल।
- प्रमुख पहल: स्किल इंडिया, PMKVY, अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन, NEP 2020।
- डिजिटल कौशल, रिस्किलिंग और लाइफ-लॉग लर्निंग पर जोर।
- समावेशी और न्यायसंगत कौशल विकास को बढ़ावा।



महत्व: जनसंख्यिकीय लाभांश को उत्पादक क्षमता में बदलने की कुंजी।

कीवर्ड: स्किल इंडिया | PMKVY | अप्रेंटिसशिप | NEP 2020 | कौशल विकास | युवा | रोजगार

5 क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनेरल ब्लॉक्स – 18वां चरण नीलामी

- 20 क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनेरल ब्लॉक्स की नीलामी।
- ऊर्जा, रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स व एरोस्पेस के लिए आवश्यक।
- आयात निर्भरता कम करना।
- घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना।
- राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनेरल्स मिशन के अनुरूप।
- रणनीतिक स्वायत्तता व हरित ऊर्जा संक्रमण के लिए महत्वपूर्ण।



महत्व: ऊर्जा संक्रमण, रक्षा, तकनीक और अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक।

कीवर्ड: क्रिटिकल मिनेरल्स | नीलामी | आपूर्ति श्रृंखला | ऊर्जा संक्रमण | रणनीतिक संसाधन | आत्मनिर्भरता

6 आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) – मासिक बुलेटिन (जून 2026)

- NSO का मासिक PLFS बुलेटिन जून 2026 के लिए जारी।
- प्रमुख संकेतक: LFPR, WPR, UR।
- उच्च आवृत्ति वाले डेटा से नीति निर्माण में सहायता।
- सामान्य स्थिति (ps+ss) और वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (CWS) को दर्शाता है।
- रोजगार की प्रवृत्तियों की निगरानी और समावेशी रोजगार पर ध्यान।



महत्व: रोजगार की गुणवत्ता और समावेशी वृद्धि के लिए उपयोगी डेटा।

कीवर्ड: PLFS | LFPR | WPR | UR | रोजगार | NSO | डेटा

7 वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन – एल्डरलाइन 14567

- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एल्डरलाइन 14567 पर जोर।
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए टोल-फ्री राष्ट्रीय हेल्पलाइन।
- भावनात्मक समर्थन, मार्गदर्शन, सूचना और रेफरल सेवाएँ।
- दुर्घटना, उपेक्षा, कानूनी सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं में मदद।
- देशभर में 24x7 सेवा उपलब्ध।
- सक्रिय, सम्मानजनक और सुरक्षित वृद्धावस्था को बढ़ावा।



महत्व: वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, सुरक्षा, गरिमा और कल्याण को सुनिश्चित करना।

कीवर्ड: वरिष्ठ नागरिक | एल्डरलाइन | सामाजिक न्याय | हेल्पलाइन | सुरक्षा | अधिकार | समर्थन

8 सौश्रुलम 2026 – पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समन्वय

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 'सौश्रुलम 2026' का उद्घाटन किया।
- पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से एकीकृत करने का आह्वान।
- प्रमाण-आधारित (एविडेंस-बेस्ड) आयुर्वेद को सुदृढ़ करना।
- अनुसंधान, गुणवत्ता, मानकीकरण और सुरक्षा पर जोर।
- अंतरविषयी सहयोग को बढ़ावा।
- भारत को वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा में नेतृत्व की स्थिति में स्थापित करना।



महत्व: आयुर्वेद की विश्वसनीयता, गुणवत्ता और वैश्विक स्वीकार्यता में वृद्धि।

कीवर्ड: आयुष | आयुर्वेद | एविडेंस-बेस्ड | अनुसंधान | समन्वय | स्वास्थ्य | वैश्विक कल्याण

9 केवड़ा पौधा मानव सभ्यता से पुराना एवं हिमालय निर्माण से भी प्राचीन

- अध्ययन में केवड़ा (Pandanus) की वंशावली मानव सभ्यता से भी पुरानी बताई गई।
- हिमालय निर्माण (हिमालयन ऑरोजेनी) से भी पूर्व विद्यमान।
- भारत के पूर्वी तट पर सामान्य तटीय पौधा।
- सुगंध, इत्र, स्वाद और पारंपरिक उत्पादों में उपयोग।
- प्राचीन जैव-विविधता और विकासवादी इतिहास को दर्शाता है।



महत्व: जैव-विविधता संरक्षण, प्राचीन वनस्पति व वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु महत्वपूर्ण।

कीवर्ड: केवड़ा | पैंडानस | जैव-विविधता | विकास | हिमालय | प्राचीन वंशावली | तटीय पारिस्थितिकी

अन्य महत्वपूर्ण एक-पंक्ति बिंदु



1. कैबिनेट ने संपीड़ित बायोगैस (CBG) के प्रोत्साहन को मंजूरी दी – स्वच्छ ऊर्जा और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा।



2. पोरबंदर ग्रीनफील्ड शिपबिल्डिंग क्लस्टर से समुद्री अवसंरचना को मजबूती मिलेगी।



3. IRCTC की बीटा वेबसाइट लाइव – उपयोगकर्ता अनुभव और सेवाओं में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।



4. वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन (14567) देखाभाल, सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है।



5. BRIC-THSTA ने 17वां फाउंडेशन डे मनाया – भारत में बायोमेडिकल अनुसंधान को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास।

1 National Investment Policy for Manufacturing (NIPU-2026)

- Cabinet approved NIPU-2026 under Atmanirbhar Bharat.
- Attract large-scale investments in manufacturing.
- Improve domestic value addition & global competitiveness.
- Promote high-value & technology-intensive sectors.
- Strengthen supply chains, infrastructure & logistics.
- Generate quality employment and regional development.

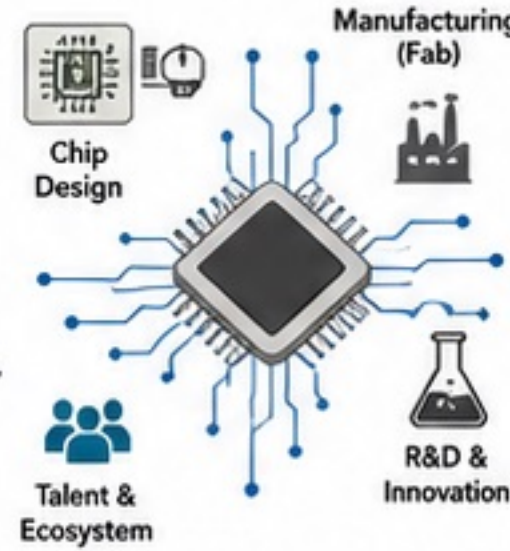


Value Addition: Supports Make in India, PLI, PM Gati Shakti and National Logistics Policy.

Keywords: Manufacturing | Investment | Value Addition | Competitiveness | Employment | Logistics

2 Semicon 2.0 – India's Semiconductor Mission

- Cabinet reaffirms long-term support for Semicon 2.0.
- Promotes end-to-end semiconductor ecosystem.
- Includes fabs, ATMP/OSAT, display fabs & design.
- Strengthens strategic autonomy in critical technology.
- Supports key sectors: AI, Defence, Telecom, EV, Medical devices.
- Attracts global investments & creates skilled jobs.



Value Addition: Reduces import dependence; essential for digital economy & national security.

Keywords: Semiconductors | Strategic Technology | Self-reliance | Ecosystem | Chip Design

3 India-UK Comprehensive Economic and Trade Agreement (CETA)

- PIB Backgrounder highlights key outcomes of India-UK CETA.
- Nearly 99% Indian exports to UK get duty-free access.
- Greater opportunities in services sector.
- Easier mobility for professionals & business visitors.
- Double Contribution Convention for social security relief.
- Benefits labour-intensive sectors & MSMEs.



Key Benefitting Sectors



Value Addition: Boosts exports, jobs, investment & global value chains.

Keywords: CETA | FTA | Trade | Exports | MSME | Services

4 Skill Ecosystem & World Youth Skills Day

- PIB Backgrounder on empowering India's Skill Ecosystem.
- Theme: Empowering India's Skill Ecosystem.
- Strengthens employability & industry linkage.
- Initiatives: Skill India, PMKVY, Apprenticeship, NEP 2020.
- Focus on digital skills, reskilling & future-ready workforce.
- Promotes inclusive & equitable skill development.



Value Addition: Key to demographic dividend & Viksit Bharat @2047.

Keywords: Skill India | PMKVY | Apprenticeship | NEP 2020 | Employability | Youth

5 Critical & Strategic Mineral Blocks – 18th Tranche Auction

- Auction of 20 Critical & Strategic Mineral Blocks.
- Supports exploration & mining of key minerals.
- Critical for clean energy, defence, electronics & aerospace.
- Strengthens domestic supply chains & reduces import vulnerability.
- Encourages sustainable mining practices.
- Aligns with National Critical Minerals Mission.



Value Addition: Essential for energy transition & strategic autonomy.

Keywords: Critical Minerals | Auction | Energy Transition | Supply Chain | Strategic Resources

6 Periodic Labour Force Survey (PLFS) – Monthly Bulletin (June 2026)

- NSO released PLFS Monthly Bulletin for June 2026.
- Key indicators: LFPR, WPR, UR.
- High-frequency data for policy & planning.
- Captures usual status (ps+ss) & current weekly status (CWS).
- Helps in tracking employment trends.
- Critical for inclusive & quality job creation.



LFPR

(Labour Force Participation Rate)



WPR

(Worker Population Ratio)



UR

(Unemployment Rate)

Value Addition: Evidence-based employment policymaking.

Keywords: PLFS | LFPR | WPR | UR | Employment | NSO

7 National Helpline for Senior Citizens – Elderline (14567)

- Ministry of Social Justice & Empowerment highlights Elderline 14567.
- Toll-free helpline for senior citizens.
- Provides emotional support, guidance & information.
- Assists in cases of abuse, neglect, healthcare & legal issues.
- Promotes active, dignified & secure ageing.
- Works 24x7 across India.



Value Addition: Supports welfare, protection & rights of elderly.

Keywords: Elderly Welfare | Social Justice | Helpline | Dignity | Care | Support

8 Saushrutam 2026 – Integration of Traditional Wisdom with Modern Science

- President Smt. Droupadi Murmu inaugurates 'Saushrutam 2026'.
- Calls for integration of traditional wisdom with modern science.
- Strengthen evidence-based Ayurveda.
- Promote research, quality standards & safety.
- Encourage interdisciplinary collaboration.
- Position India as global leader in traditional medicine.



Value Addition: Builds credibility, global acceptance & healthcare integration.

Keywords: AYUSH | Ayurveda | Evidence-based | Research | Integration | Healthcare

9 Kewra Plant Older than Human Civilization & Predates Himalaya Formation

- Study finds Kewra (Pandanus) lineage older than human civilization.
- Predates the formation of the Himalayas.
- Ancient coastal plant with evolutionary significance.
- Common along Indian eastern coast.
- Used in perfumes, flavouring & traditional products.
- Highlights India's rich ancient biodiversity.



Ancient Timeline



Value Addition: Important for biodiversity conservation & evolution studies.

Keywords: Biodiversity | Evolution | Kewra | Pandanus | Himalayas | Ancient Lineage

Other Important One-Liners



Cabinet approves promotion of Compressed Biogas (CBG) to boost clean energy & waste management.



Porbandar Greenfield Shipbuilding Cluster to strengthen maritime infrastructure.



IRCTC Beta Website version goes live for improved user experience.



National Helpline for Senior Citizens (14567) supports elderly care & assistance.



BRIC-THSTI celebrates 17th Foundation Day; advancing biomedical research in India.

1 Environment & Ecology

A bird species once locally extinct in a national park has returned after years of captive breeding, habitat restoration and protected reintroduction. This species now helps forests regenerate by dispersing seeds. Which conservation approach best explains this success?

- A) In-situ Conservation
- B) Ex-situ Conservation
- C) Species Reintroduction
- D) Assisted Migration



2 Polity & Governance

To ensure speedy justice in cases threatening life and liberty, the Supreme Court is considering a Standard Operating Procedure for urgent matters like illegal detention, deportation and bulldozer demolitions. Which constitutional value is the core of this initiative?

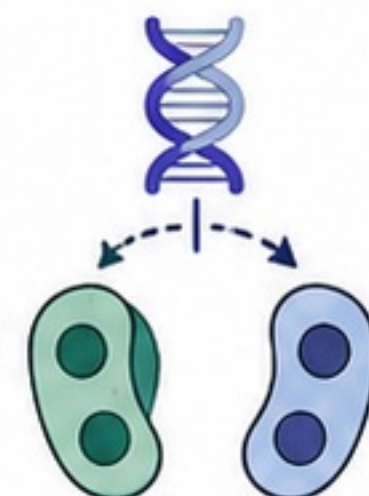
- A) Federalism
- B) Rule of Law
- C) Secularism
- D) Separation of Powers



3 Science & Technology

Scientists observe a gene moving from a predator to its prey, providing survival advantage to the recipient. This challenges the traditional understanding of genetic inheritance. Which mechanism best describes this phenomenon?

- A) Mutation
- B) Vertical Gene Transfer
- C) Horizontal Gene Transfer
- D) Genetic Recombination



4 Geography & Climate

A country lying close to the world's largest oil transit chokepoint builds naval partnerships, invests in port infrastructure and promotes alternative energy routes to reduce vulnerability to any disruption. Which strategic objective is this approach most aligned with?

- A) Strategic Autonomy
- B) Collective Security
- C) Energy Colonialism
- D) Economic Isolationism



5 Ethics, AI & Governance

A teacher live-streams classroom sessions, shares students' work online for "engagement", and uses data from interactions to rank students publicly. Which ethical principle is most at risk here?

- A) Accountability
- B) Transparency
- C) Privacy
- D) Beneficence



6 Culture & Society

In a multilingual country, a few languages dominate digital spaces and education, while many languages face declining use among younger generations. Which concept best captures this trend?

- A) Language Revivalism
- B) Linguistic Assimilation
- C) Linguistic Erosion
- D) Language Standardization





FROM THE ARCHIVES

Know your English

S. Upendran

“Hey, guess what? Sujatha’s sister is getting married.”

“I know that. Sujatha introduced me to the guy a couple of days ago.”

“She did? I wonder why I wasn’t introduced to him? Anyway, it doesn’t matter. What does he look like?”

“His name is Laxman. He seems to be a nice person. He is no Greek god, mind you, but he is definitely....”

“....Greek god! What are you talking about?”

“Well, when you say that someone looks like a Greek god, it implies that he is extremely good looking. In other words, he is very handsome.”

“I see. How about this example? When I walked into the restaurant – I found a Greek god sitting next to Sujatha.”

“That couldn’t have been Laxman. Here’s another example. Rajeev is no Greek god, but there is something about him...”

“....who cares about Rajeev. What do you think my chances are of looking like some Greek god when I grow up?”

“Pretty good, I’d say.”

“You really mean that?”

“Of course I mean it. Nothing is impossible, you know.”

“Anyway, the fact that Sujatha’s sister didn’t find someone who looks like a Greek god is not surprising. She is no Greek goddess, is she?”

“No, she isn’t.”

“Do you feel peckish at strange hours?”

“What a strange question! Why do you....”

“.....I am not asking a question. I’m merely reading a line from this ad.”

“I see. Do you know what ‘peckish’ means?”

“Doesn’t it mean ‘hungry’?”

“Excellent! The word ‘peckish’ is used in informal contexts in British English to mean ‘slightly hungry’. Here’s an example. After playing two sets, Devi began to feel peckish.”

“Your friend Devi always feels peckish.”

“You have a point there.”

“My neighbour Banu says she usually feels peckish around 11 o’clock at night.”

“Many people feel peckish around that time. Yesterday, while waiting at the bus stop, I began to feel peckish.”

“That happens to me whenever the bus is late. I told my mother about it and she suggested to take a snack to....”

“....not ‘suggested to take’, but ‘suggested taking.’”

“But I have heard many people say, ‘He suggested to meet after lunch.’”

“It’s true that many people say it, but it’s wrong. What you need to say is, ‘He suggested meeting after lunch.’”

I see. How about this sentence? The students suggested going to the zoo.

Why go to the zoo when they can look at you?

“I suggest that you stop making fun of me.”

“Sorry about that. I just couldn’t....”

“Let’s talk about something else.”

Published in The Hindu on April 4, 2001.

- **Context:** Conversation explains the meanings and usage of ‘Greek god’, ‘peckish’ and ‘suggested + gerund’.
- **Theme:** Importance of precise word usage and correct grammar in English communication.

Greek god

- Used to describe someone extremely good-looking or handsome.
- Figurative expression; not literal.
- **Example from text:** “Well, when you say that someone looks like a Greek god, it implies that he is extremely good looking.”

Peckish

- Means ‘slightly hungry’.
- Used in informal contexts in British English.
- **Example:** “After playing two sets, Devi began to feel peckish.”

Grammar Point: Verb + Gerund (not ‘to + verb’)

- **Correct:** suggested taking / suggested meeting / feel peckish
- **Incorrect:** suggested to take / suggested to meet
- **Rule:** After verbs like suggest, avoid ‘to’; use the -ing form.

Key Takeaways

- Word choice and grammar shape meaning and clarity.
- Avoid common grammatical errors like ‘suggested to + verb’.
- Informal words like ‘peckish’ add naturalness to conversation.
- Understand idioms/expressions through context.

Relevance for UPSC

- **English Comprehension:** Understanding tone, context and figurative language.
- **Essay & Ethics:** Communication clarity and appropriateness.
- **Interview:** Vocabulary, everyday expressions and grammar usage.
- **General Awareness:** Language evolution and usage in British vs Indian English.

Quick Revision

- **Greek god** = very handsome (figurative)
- **Peckish** = slightly hungry (British English)
- **Suggested + Verb-ing** (correct usage)
- **Language precision** = effective communication

The dangers of being a 'cool teacher'

Today, there is a particular kind of teacher that parents and students celebrate. She explains quadratic equations through trending audio. He goes live on Instagram at eleven at night to give a "real talk" on board exams. They reply to student DMs (direct messages), post staffroom videos, and caption it all with something like "school doesn't have to be boring." The intent is warm but the consequences are serious. In 2026, being a "cool teacher" increasingly means being a content creator. That shift from educator to influencer is quietly dismantling a crucial structure in a child's life: the boundary between adult and child.

The legal architecture around teacher-student relationships is not accidental. The Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, 2012, imposes specific statutory duties on teachers; *loco parentis* imposes a judicially recognised duty of care; the Juvenile Justice Act, 2015, imposes general duties on persons in charge of a child, which can extend to teachers in some circumstances, but does not target them as a distinct category. Thart off-switch. When a teacher follows a 15-year-old on Instagram, sends memes at midnight, or comments on a student's personal reel, the adult-child boundary carefully maintained in physical spaces dissolves in digital ones.

Grooming rarely begins with explicit harm – it exploits access, trust, and eroding distance. A teacher sliding into a student's DM with no ill intent can still create such conditions, which is why the boundary matters regardless of motives. Such informal chats do not stay private forever; their screenshots can easily end up as evidence in a POCSO complaint.

Teaching as performance
There is also a subtler problem: when teaching becomes content, it begins obeying the logic of content. That logic - shaped by



Nabeela Siddiqui

Assistant Professor,
Vinayaka Mission's
Law School,
VMRF-DU, Chennai

When the classroom meets the algorithm, it is children who pay the price

Meta's recommendation engine - rewards outrage, oversimplification, and para-social intimacy. The semiotics of the classroom shift. The teacher is no longer a symbol of institutional knowledge and fair authority. She becomes an influencer: a personal brand whose value depends on likeability scores. Here, enforcing discipline, giving a student a poor grade, or delivering hard feedback become threats to the brand. Recent research (Ljungblad, 2022; Roy et al., 2024) separates genuine relational teaching from transactional or performative approaches driven by institutional pressure. This is a conceptual distinction, though not one backed by data linking it to grade inflation or student entitlement. The teacher who runs emotional candid sessions with adolescents on YouTube Live is not building connections. She is monetising the vulnerability of her students and, eventually, of her own.

India's Digital Personal Data Protection Act, 2023, provides that a child below the age of 18 cannot provide valid consent for the processing of their personal data. Yet, classroom reels featuring identifiable voices, contexts, and reactions are published daily by teacher-influencers. Even with faces blurred, a student's laugh, a wrong answer, or a moment of embarrassment become raw material for a stranger's algorithm. The UN Convention on the Rights of the Child, in its General Comment 25, affirms children's right to privacy in digital spaces. Indian law is catching up. But the ethical gap between what is legal and what is right has already widened considerably.

Also, the social approval that "coolness" promises is not available to every such teacher equally. Discrimination creeps in there too based on gender, caste, and religion. And, schools increasingly and informally expect teachers to build the institution's brand online.

The regulatory framework is clearer than its enforcement

suggests. CBSE Affiliation Bye-Laws also require teachers to maintain professional dignity and avoid conduct unbecoming of their role. Teachers who collect or publish students' personal data without appropriate consent or lawful authority may incur liability under applicable privacy, data protection, institutional, or information technology laws. Tamil Nadu educational authorities have issued guidelines regulating digital communication between teachers and students and emphasizing professional boundaries. The POCSO Act criminalises sexual harassment, sexual solicitation, grooming, and other sexual communications directed at children. Collectively, these legal frameworks underscore that teacher-student interactions whether offline or online – must remain professional, transparent, and centred on students' welfare and safety.

Understanding of algorithm

None of this is an argument for returning to fear-based, authoritarian pedagogy. But the answer to a rigid classroom is not a boundary-less one. Schools need enforceable guidelines for teachers: no personal following of students, no DMs, no late-night Lives, and no classroom reels on personal accounts. Teachers need the understanding that the algorithm of a digital platform built to maximise engagement is not a neutral medium for education. And, schools must extend legal protection to teachers when students screen-record, misrepresent, or harass them online. The vulnerability in this relationship runs both ways.

The job of a teacher has never been to be liked. It has been to be trusted. Before the next reel is filmed and the caption typed, it is worth asking one question honestly: who is this for? The child in front of you, or the count at the bottom of the screen? Those two answers are not the same. And the gap between them is exactly where harm begins.

- "Cool teacher" culture blurs the adult-child boundary in digital spaces.
- Shift from educator → influencer risks children's safety and emotional well-being.
- Legal duties: POCSO Act, 2012; *Loco parentis* (duty of care); Juvenile Justice Act, 2015.
- Duty of care extends to teachers in certain situations; no digital off-switch.
- Grooming exploits access, trust and eroding distance.
- Informal chats/screenshots can become evidence in POCSO complaints.
- Social media algorithms reward outrage, oversimplification and parasocial intimacy.
- Teacher becomes a brand; discipline/feedback seen as threats.
- Publishing student content (reels, live sessions) violates privacy.
- DPDP Act, 2023: Children below 18 cannot give valid consent.
- UN CRC General Comment 25: Right to privacy in digital spaces.
- Ethical gap: What is legal ≠ what is right.
- Need clear enforceable guidelines: no personal following, no DMs, no late-night lives, no class reels on personal accounts.
- Schools must protect teachers from online harassment and misrepresentation.
- Teacher's role → to be trusted, not liked.
- Always ask: Is this for the child or for the count?

How the Gaganyaan crew module is built to survive

What happens to the crew and service modules during descent?

Unnikrishnan Nair S.

The story so far:

Gaganyaan is India's maiden crewed space mission, designed to carry Indian astronauts to space and safely return them back to earth. Here, the rocket – Human-rated Launch Vehicle Mark (HLVM) 3 – will inject the orbital module (OM) into the desired orbit. The Gaganyaan astronauts will be onboard the OM.

What does the OM contain?

The OM consists of two sections, the crew module and the service module, connected by a joint. The crew module serves as the crew habitat while the service module provides on-orbit support to the OM.

After the orbital phase, the propulsion system in the service module will fire its thrusters to de-orbit the OM, then the service module will separate from the crew module by severing the joint with a redundant mechanism.

While both modules descend to the earth, the crew module – which is designed to survive the intense thermo-structural loads of re-entry – will decelerate by aero-braking and safely splash down in sea. Meanwhile, the service module will burn up.

Some crewed spacecraft, such as Russia's Soyuz and China's Shenzhou, use a three-module configuration. The third module provides extra living and working space for the crew while in orbit. It also houses the docking mechanism, cargo, and basic life-support facilities, including the toilet. Like the service module, this third module will also separate during descent and will be destroyed during re-entry.

Which configuration is best for re-entry?

The crew module design must balance several critical objectives, including maximise the internal volume, manage the aerodynamic lift and drag generated during atmospheric flight, be as easy as possible to fabricate, maintain aerodynamic and hydrodynamic stability, and stabilise the module dynamically at low speeds.

Because no single configuration can satisfy all these requirements simultaneously, the final shape of the crew module will depend on which design attributes are prioritised. To minimise launch and re-entry mass, engineers strip the crew module down to essential landing systems, directly reducing the required size and mass of both the heatshield and the parachutes.

A spherical configuration offers the highest possible internal volume with the lowest structural mass. This is because a sphere has minimum surface area required to enclose a given volume. The design closest to a sphere was the Soviet Union's Vostok module, in which Yuri Gagarin made the historic first trip to space.

However, because a perfect sphere creates no aerodynamic lift, it falls straight down through the atmosphere, like a dropped stone. This subjects the crew to painfully high g-forces.

Consequently, a sphere-cone combination is the preferred configuration for a re-entering body. Its

blunt base generates a detached shockwave that pushes intense frictional heat away from the spacecraft, while its conical body provides the aerodynamic stability and lift necessary for a controlled, survivable descent.

The Gaganyaan crew module has a sphere-cone configuration.

Why aren't all re-entry modules mono-stable?

Aerodynamic and hydrodynamic mono-stabilities are highly preferred features for a re-entering body.

A module is aerodynamically monostable if it maintains only one stable attitude while flying through the atmosphere – like a shuttlecock. Similarly, hydrodynamic mono-stability ensures the module will self-right itself and float in a single, stable orientation after splashdown.

Mono-stability is controlled by the module's aerodynamic shape and the location of its centre of gravity. As the centre of gravity is dictated by the packaging of internal subsystems, system engineers often lack the flexibility to achieve the required location of the centre of gravity.

As a result, in practice, modules frequently have more than one stable orientation. The Gaganyaan crew module, for instance, has two distinct stable aerodynamic positions as well as two stable hydrodynamic positions.

The undesired attitude is managed by firing control thrusters during flight through the atmosphere and by deploying a gas-based up-righting system upon splashdown in sea.

What is dynamic instability during re-entry?

Dynamic instability is a critical condition experienced by a re-entry module, resulting in rapidly growing and uncontrolled oscillations as it decelerates through the atmosphere. Just like a traditional kite without a tail wobbles and spins wildly out of control because it lacks stability, the crew module can experience dangerous, self-growing swings that make it tumble if it is not controlled.

How smoothly the crew module falls through the atmosphere depends strongly on its shape, mass, and the way air flows around it. The module shakes and wobbles the most as it approaches the speed of sound, where bouncing shockwaves and swirling air violently whip it around. To stop the module from spinning dangerously out of control, it must either use small control thrusters to steady itself or deploy parachutes before this instability grows too large.

- Gaganyaan is India's first crewed space mission to carry Indian astronauts and bring them safely back to Earth.
- HLVM3 will inject the Orbital Module (OM) into orbit.

- OM has two sections: Crew Module (habitat) and Service Module (on-orbit support).
- Service module de-orbits and burns up; crew module re-enters and safely splashes down in sea.
- Some missions use a third module for extra space; it separates and burns up during re-entry.

- Crew module design balances:
 - Max internal volume
 - Lift & drag management
 - Easy fabrication
 - Aerodynamic & hydrodynamic stability
 - Dynamic stabilisation at low speeds

- Spherical shape gives max internal volume with minimum surface area (Vostok).
- But perfect sphere has no lift, causes high g-forces (drops like a stone).
- Thus, sphere-cone (blunt base + conical body) is used for re-entry (stability + heat protection + lift).

- Mono-stability:
 - Maintains one stable attitude in air and self-rights in water.
 - Depends on shape & centre of gravity.
 - Gaganyaan module has two stable aerodynamic and two hydrodynamic positions.

- Dynamic instability:
 - Causes uncontrolled oscillations during re-entry.
 - Most severe near speed of sound.
 - Managed by control thrusters or timely parachute deployment.
 - Balanced design ensures safe return of astronauts.

What is meant by 'trial in absentia'?

Who can be tried in absentia under BNSS? What changed under the new criminal law? How does the law protect the accused's right to fair trial?

What happens if the accused later appears before the court? Why was trial in absentia introduced?

EXPLAINER

Rizmi Lia M.

The story so far:

A Special NIA Court in Jammu has issued a non-bailable warrant against Hafiz Saeed, the Pakistan-based chief of the proscribed terror outfit Lashkar-e-Taiba (LeT), in connection with the investigation into the Pahalgam terror attack. The warrant was issued at the request of the National Investigation Agency (NIA). The order was passed by the Special Judge of the NIA Court on July chargesheet was filed against Saeed in the Pahalgam terror attack case.

Since Saeed is unlikely to appear before an Indian court, the agency is expected to seek a trial in absentia under Section 356 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS), which replaced the Code of Criminal Procedure (CrPC). In its supplementary chargesheet, the NIA has charged Hafiz Saeed both in his individual capacity and as the chief of the banned Lashkar-e-Taiba (LeT) and its proxy outfit, The Resistance Front (TRF).

"The accused has been charged under various provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS), 2023, and the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967. The NIA has also invoked provisions relating to waging war against India and hatching a conspiracy from across the border," the agency said.

What is trial in absentia?

A trial in absentia refers to a criminal trial conducted in the absence of the accused. Section 356 of the BNSS provides that if a person declared a proclaimed offender has absconded to evade trial and there is no immediate prospect of arrest, the court may treat the accused's absence as a



The law does not permit courts to try every accused person in their absence. It applies only to a "proclaimed offender", as defined under Section 84 of the BNSS. GETTY IMAGES

waiver of the right to be present during the proceedings. After recording its reasons in writing, the court may proceed with the inquiry, trial and pronouncement of judgment as if the accused were present.

Under the Code of Criminal Procedure, 1973 (CrPC), the predecessor of BNSS, Section 82(4) of CrPC allows proclamation and attachment of the property of an absconding accused, and Section 317 of CrPC allows the Judge or Magistrate to conduct trial of an accused in his absence in certain specific cases. Section 299 CrPC allows the Judge or Magistrate to record the evidence in absence of absconded accused if there is no prospect of arresting him soon.

Those provisions provide a discretion to a presiding officer to conduct an in-absentia trial only when it feels that, firstly, the personal attendance of the

accused before the court is not necessary in the interests of justice, and secondly, the accused persistently disturbs the proceedings in court. But none of those provisions allowed full-fledged trials in absentia. As a result, trials often remained pending for years until the accused was apprehended.

Whom does it apply to?

The law does not permit courts to try every accused person in their absence. It applies only to a "proclaimed offender", as defined under Section 84 of the BNSS.

Under Section 84(4), where a proclamation has been issued against a person accused of an offence punishable with imprisonment of 10 years or more, life imprisonment, or death under the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, or any other law, and the person fails to appear at the specified place and time, the court

may, after making such inquiry as it considers necessary, declare the person a proclaimed offender.

Thus, trial in absentia is available only in cases involving serious offences punishable with imprisonment of at least 10 years, life imprisonment, or death, where the accused has been declared a proclaimed offender.

What are the procedural safeguards under Section 356?

Section 356 lays down several procedural safeguards before a trial can commence in the absence of the accused. These include the issuance of two consecutive warrants of arrest within an interval of at least 30 days. A notice must also be published in a local or national newspaper, giving the accused 30 days to appear before the court. In addition, the notice must be displayed at the accused's last known place of residence, and a relative or friend of the accused must be informed about the trial.

The trial cannot commence until 90 days have elapsed from the date of framing of charges, giving the accused sufficient opportunity to appear before the court. If the absconding accused does not have legal representation, the court must appoint a defence lawyer at the State's expense to safeguard the accused's right to a fair trial.

Statements of prosecution witnesses recorded before the commencement of the trial may be used as evidence against the absconding accused. However, if the accused later appears or is apprehended, the court may permit cross-examination of witnesses in the interest of justice.

The deposition and examination of witnesses may, as far as practicable, be recorded through audiovisual electronic means. Such recordings must be preserved to ensure transparency, accuracy and the integrity of the trial process, and to facilitate review if the accused is subsequently apprehended.

Trial in absentia is available only in serious offences: punishment of 10 years or more, life imprisonment, or death, where the accused is declared a proclaimed offender.

Applicable only to proclaimed offenders who abscond to evade trial and there is no immediate prospect of arrest.

Procedural safeguards under Section 356 BNSS:

- Two consecutive arrest warrants 30 days apart
- Notice in newspaper (local/national)
- Display at last known residence
- Information to relative/friend

Trial cannot start before 90 days from framing of charges.

If no legal representation, court must appoint a defence lawyer at State's expense.

Evidence of prosecution witnesses recorded before trial can be used against absconding accused.

Cross-examination allowed if accused appears later.

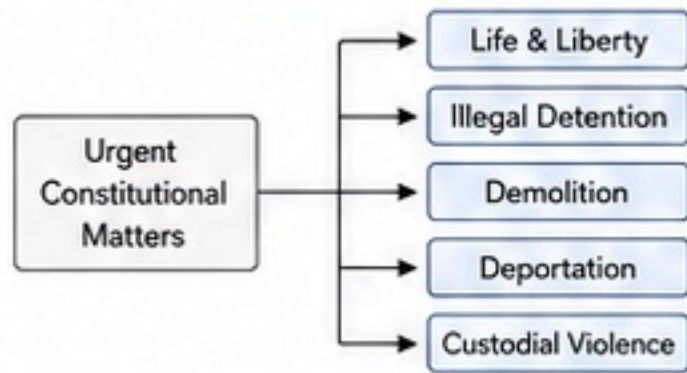
Witness deposition/examination may be recorded through audiovisual electronic means for transparency and future review.

Introduced to ensure justice is not delayed indefinitely due to absconding accused.

Balances effective prosecution with right to fair trial.

If the accused appears or is apprehended later, court may allow cross-examination and ensure a fair trial.

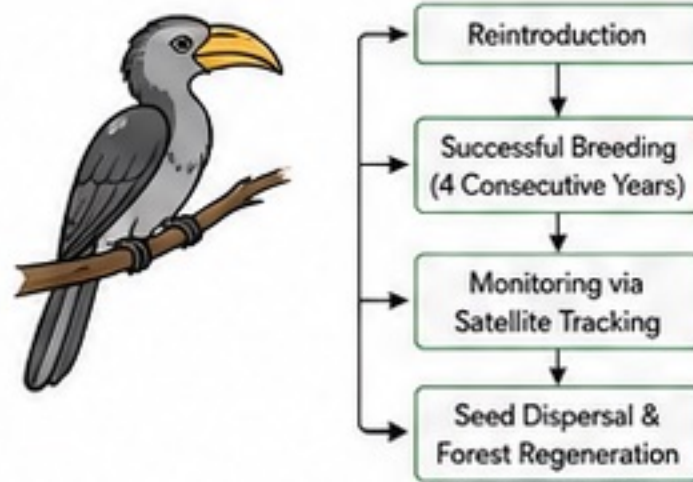
1. SC weighs SOP for urgent cases



- SC considers SOP for urgent matters.
- Covers cases affecting life & liberty.
- CJI: response time should be minimal.
- Digital filing and emergency access.
- Ensures continuous judicial availability.
- Enhances access to justice.

Article 21 • Access to Justice
Constitutional Remedies • E-Courts

2. Grey hornbills thrive again in Gir



- Grey hornbill successfully breeds in Gir.
- Species had disappeared decades ago.
- Four consecutive years of breeding.
- Phased release and satellite tracking.
- Important seed disperser.
- Aids forest regeneration.

Species Reintroduction • Ex-situ & In-situ
Conservation • Habitat Restoration

3. 'Gold Standard' India-U.K. trade deal



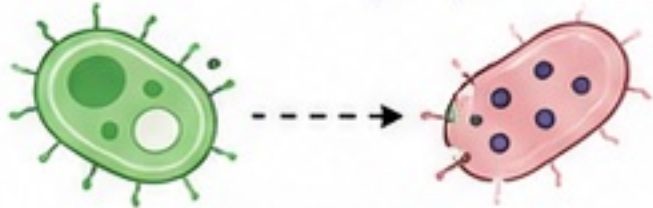
- India-U.K. CETA & DCC in force.
- Wide tariff liberalisation.
- Covers digital trade, SMEs, labour, environment, govt. procurement.
- DCC avoids double social-security contributions.
- Protects sensitive Indian sectors.
- Benefits exporters, services & skilled professionals.

FTA • Non-Tariff Barriers • SPS & TBT
Social Security Agreements

QUICK NEWS (9)

- 1. Union govt. bans herbicide paraquat**
Banned due to high toxicity and health risks.
- 2. India bans import of forced labour goods**
Protects human rights; aligns with global norms.
- 3. Rajnath flags off 'Shaurya Vijay Yatra'**
Motorcycle rally to honour Kargil heroes.
- 4. Cosmic sugar**
Study highlights complex organic molecules relevant to astrochemistry.
- 5. The disruptive rise of India's new political generation**
Analysis of young leaders shaping politics.
- 6. India-U.S. defence tech ties**
Cooperation expanding but implementation challenges remain.
- 7. India's imports from China soar to \$80 bn**
In first half of 2026; trade deficit persists.
- 8. 'Deep-Tech, AI, Innovation will shape India's future'**
Leaders highlight key growth drivers.
- 9. NASA astronaut Anil Menon embarks on 8-month stint to International Space Station**

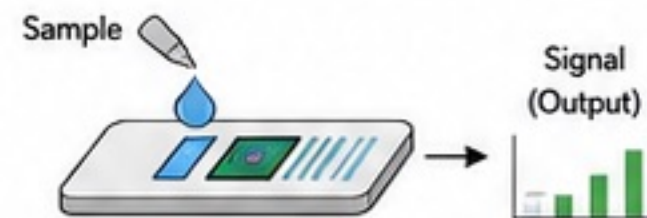
4. Gene hop from predator into its prey



- Scientists observed gene transfer between species.
- Demonstrates horizontal gene transfer.
- Jumping genes (transposable elements) influence evolution.
- Relevant for antibiotic resistance.
- Useful for biotechnology.
- Advances understanding of evolution.

Horizontal Gene Transfer • Transposable
Elements • Microbial Genetics

5. Protein biosensors shrink medical timelines



- Detect disease biomarkers rapidly.
- Enable early diagnosis.
- Useful in emergency medicine.
- Support personalised healthcare.
- Improve decision-making in critical care.
- Advance point-of-care diagnostics.

Biosensors • Point-of-Care Diagnostics
Precision Medicine • Medical Biotechnology

6. Steady in turbulence (Editorial)



- PM's visits to Australia & New Zealand.
- Strengthen Indo-Pacific engagement.
- Focus on defence, maritime security, critical minerals.
- Supply-chain resilience a priority.
- Strategic autonomy remains key.
- Diversified partnerships, avoid rivalries.

Indo-Pacific • Strategic Autonomy
Supply Chain Resilience • Critical Minerals

PRELIM FACTS (9)

1. Strait of Hormuz connects Persian Gulf with Gulf of Oman.
2. Grey Hornbill is protected under Schedule IV of Wildlife (Protection) Act.
3. CETA is India's second major FTA after India-UAE CEPA.
4. Transposable elements are called 'jumping genes'.
5. Biosensors convert biological reaction into measurable signal.
6. Indo-Pacific spans Indian & Pacific Oceans and surrounding regions.
7. BNSS, 2023 replaces CrPC, 1973.
8. Gaganyaan aims to send Indian astronauts to Low Earth Orbit.
9. Paraquat is a non-selective contact herbicide.

7. Dangers of being a 'cool teacher'



- Healthy teacher-student boundaries are essential.
- Excessive informality harms discipline & objectivity.
- Professional conduct builds trust.
- Popularity should not override ethics.
- Ethics ensures fair evaluation.
- Teachers are role models.

Professional Ethics • Integrity
Responsibility • Role Model

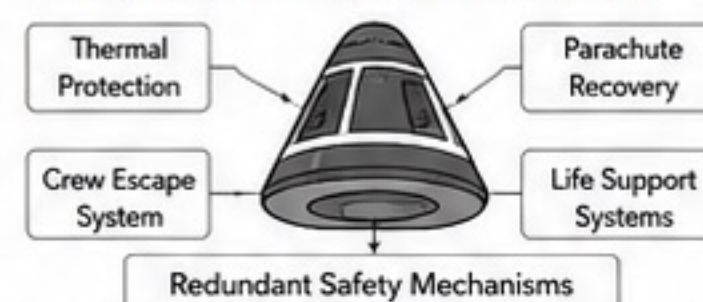
8. What is meant by 'trial in absentia'?



- Trial without physical presence of accused.
- BNSS allows trial in absentia.
- Applies to proclaimed offenders.
- Ensures justice despite evasion.
- Balances fair trial & justice delivery.
- Part of criminal procedure reforms.

BNSS • Proclaimed Offender
Criminal Procedure Reform

9. How Gaganyaan crew module is built to survive



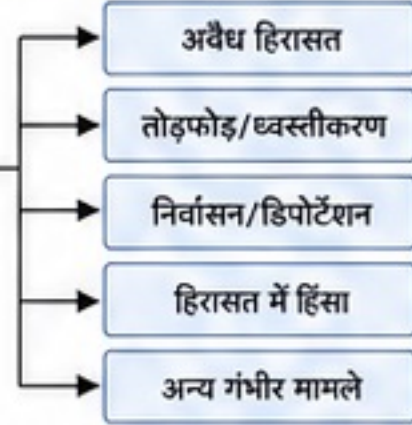
- Protects astronauts in launch, re-entry, splashdown.
- Includes thermal protection.
- Parachute recovery for safe landing.
- Crew safety & life-support systems.
- Multiple redundant safety mechanisms.
- Ensures mission reliability.

Gaganyaan • Human Spaceflight
Re-entry Technology • Crew Safety

VOCABULARY (5)

- 1. Recalibrate** — Adjust or reset to improve alignment or performance.
- 2. Exacerbate** — Make a bad situation worse.
- 3. Resilience** — Capacity to recover quickly from difficulties.
- 4. Proscribed** — Officially forbidden or banned.
- 5. Augment** — Increase or enhance in size or strength.

1. SC जीवन और स्वतंत्रता से जुड़े मामलों के लिए SOP पर विचार



- सर्वोच्च न्यायालय ने आपात मामलों हेतु SOP बनाने पर विचार किया।
- जीवन और स्वतंत्रता प्रभावित करने वाले मामलों में तत्काल न्यायिक पहुँच पर जोर।
- CJI: प्रतिक्रिता समय न्यूनतम होना चाहिए।
- डिजिटल फाइलिंग और आपातकालीन न्यायिक पहुँच पर चर्चा।
- नागरिकों को निरंतर न्यायिक उपलब्धता सुनिश्चित करना।

अनुच्छेद 21 • न्याय तक पहुँच • संबंधित उपचार
न्यायिक नवाचार • ई-कोर्ट्स

2. गिर में ग्रे हॉर्नबिल की वापसी, चार साल सफल प्रजनन



- ग्रे हॉर्नबिल की प्रजाति का गिर में सफल पुनः स्थापन।
- दशकों पहले यह प्रजाति गिर से लुप्त हो गई थी।
- चार लगातार वर्षों तक प्रजनन की सफलता दर्ज।
- चरणबद्ध तरीके से छोड़ा गया और निगरानी की गई।
- यह महत्वपूर्ण बीज प्रसारक है, वन पुनर्जीवन में सहायक।

प्रजाति पुनर्परिचय • बहिर्स्थ एवं अंतर्स्थ संरक्षण
आवास पुनर्स्थापना • पारिस्थितिकी संतुलन

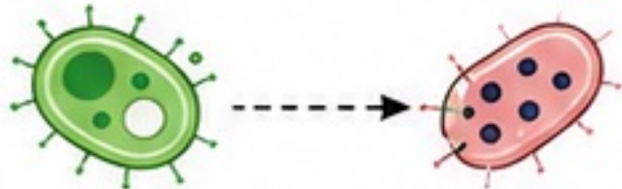
3. 'गोल्ड स्टैंडर्ड' भारत-यू.के. व्यापार समझौता लागू



- भारत-यू.के. CETA और DCC आज से लागू।
- व्यापक टैरिफ उदारीकरण।
- डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, MSME, श्रम, पर्यावरण शामिल।
- DCC से पात्र भारतीय कामगारों को दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट।
- संवेदनशील भारतीय क्षेत्रों की सुरक्षा।
- निर्यातकों, सेवा क्षेत्र और कुशल पेशेवरों को लाभ।

FTA • गैर-टैरिफ बाधाएं • SPS & TBT
सामाजिक सुरक्षा समझौते • व्यापार सहयोग

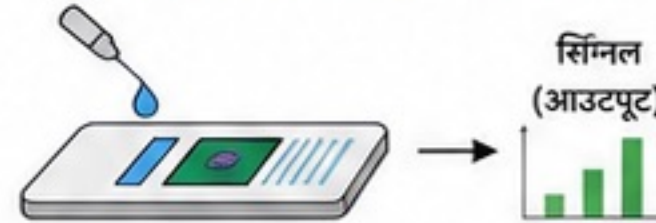
4. वैज्ञानिकों ने देखा: शिकारी से शिकार में जीन का स्थानांतरण



- प्रजातियों के बीच जीन स्थानांतरण का अवलोकन।
- यह क्षैतिज जीन स्थानांतरण (Horizontal Gene Transfer) दर्शाता है।
- जंपिंग जीन (ट्रांसपोजेबल तत्व) विकास को प्रभावित करते हैं।
- एंटीबायोटिक प्रतिरोध से जुड़ा महत्वपूर्ण पहलू।
- जैव प्रौद्योगिकी और सूक्ष्मजीव विकास समझने में उपयोगी।
- माइक्रोबियल उत्क्रांति की समझ को मजबूत करता है।

क्षैतिज जीन स्थानांतरण • ट्रांसपोजेबल तत्व
सूक्ष्मजीविकी • जैव प्रौद्योगिकी

5. प्रोटीन बायोसेंसर: आपातकालीन चिकित्सा में समय की बचत



- रोग जैवचिह्नों (बायोमार्कर्स) का त्वरित पता लगाते हैं।
- शीघ्र निदान में सक्षम बनाते हैं।
- आपातकालीन चिकित्सा में अत्यंत उपयोगी।
- व्यक्तिगत स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देते हैं।
- निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करते हैं।
- पॉइंट-ऑफ-केयर (POC) निदान में सहायक।

बायोसेंसर • POC निदान • सटीक चिकित्सा
चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी • आपातकालीन देखभाल

6. उथल-पुथल में स्थिरता (संपादकीय)



- भारत के ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे महत्वपूर्ण।
- इंडो-पैसिफिक में सहभागिता को सुदृढ़ करना।
- रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों पर जोर।
- आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन प्राथमिकता।
- रणनीतिक स्वायत्तता और विविध सहयोग जारी।
- महाशागर एवं एकट ईस्ट नीति पर फोकस।

इंडो-पैसिफिक • रणनीतिक स्वायत्तता • समुद्री सुरक्षा
आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन • महत्वपूर्ण खनिज

7. 'कूल टीचर' बनने के खतरे



- स्वस्थ शिक्षक-छात्र सीमा आवश्यक।
- अत्यधिक अनौपचारिकता अनुशासन और निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाती है।
- व्यावसायिक आचरण विश्वास बनाता है।
- लोकप्रियता पेशेवर नैतिकता से ऊपर नहीं होनी चाहिए।
- नैतिकता मूल्यांकन को प्रभावित कर सकती है।
- शिक्षक छात्रों के लिए आदर्श होते हैं।

व्यावसायिक नैतिकता • अखंडता • जिम्मेदारी
भूमिका मॉडल • शिक्षा में नैतिकता

8. 'ट्रायल इन एब्सेंटिया' का क्या अर्थ है?



- अभियुक्त की अनुपस्थिति में मुकदमे की सुनवाई।
- BNSS के तहत घोषित अपराधियों पर लागू प्रावधान।
- कुछ शक्तों में अभियुक्त की अनुपस्थिति पर मुकदमा चलाया जा सकता है।
- न्यायिक प्रक्रिया और न्याय के बीच संतुलन।
- गंभीर अपराधों में न्याय वितरण सुनिश्चित करता है।
- आपराधिक प्रक्रिया सुधार का हिस्सा।

BNSS • घोषित अपराधी • आपराधिक प्रक्रिया
न्याय वितरण • विधिक सुधार

9. गगनयान कू मॉड्यूल कैसे बना है जीवित रहने के लिए



- लॉन्च, री-एंट्री और स्लैशडाउन में सुरक्षा हेतु डिज़ाइन।
- थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम शामिल।
- पैराशूट रिकवरी से सुरक्षित लैंडिंग।
- लाइफ सपोर्ट सिस्टम कैसे अस्तित्व बनाए रखते हैं।
- कई रेडॉइंट सेफ्टी मैकेनिज्म सुरक्षा बढ़ाते हैं।
- मिशन की विश्वसनीयता सुनिश्चित करते हैं।

गगनयान • मानव अंतरिक्ष उड़ान • री-एंट्री तकनीक
कू सुरक्षा • मलबे से बचाव प्रणाली

QUICK NEWS (9)

- केंद्र सरकार ने पैराक्वाट हर्बिसाइड पर प्रतिबंध लगाया स्वास्थ्य और पर्यावरण जोखिम के कारण प्रतिबंध।
- जबरी श्रम से बने उत्पादों के आयात पर भारत ने प्रतिबंध लगाया वैश्विक मानकों के अनुरूप कदम।
- राजनाथ सिंह ने 'शौर्य विजय यात्रा' बाइक रैली को हरी झंडी कारगिल के वीरों को सम्मान देने हेतु रैली।
- कॉस्मिक शुगर (Cosmic Sugar) जटिल जैविक अणुओं पर अध्ययन; एस्ट्रोबैमसिस्ट्री से संबंधित।
- भारत की नई राजनीतिक पीढ़ी का उभरता प्रभाव युवा नेताओं का राजनीति में बढ़ता योगदान।
- भारत-अमेरिका रक्षा तकनीक सहयोग बड़े लक्ष्य, परंतु क्रियान्वयन में चुनौतियाँ बनी हुई।
- चीन से भारत का आयात 2026 की पहली छमाही में बढ़कर 80 अरब डॉलर के करीब पहुँचा।
- 'डीप-टेक, एआई, इनोवेशन भारत के भविष्य को आकार देंगे' नेताओं ने नवाचार को विकास का मुख्य इंजन बताया।
- NASA अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 8 महीने के मिशन पर अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना।

PRELIM FACTS (9)

- होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है।
- ग्रे हॉर्नबिल वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अनुसूची I में शामिल है।
- भारत-यू.के. CETA भारत का प्रमुख FTA है; हल का UAE CEPA।
- ट्रांसपोजेबल तत्वों को 'जंपिंग जीन' भी कहा जाता है।
- बायोसेंसर जैव रासायनिक प्रतिक्रिया को मापना संकेत में बदलते हैं।
- इंडो-पैसिफिक में भारत की 'एकट ईस्ट' नीति महत्वपूर्ण है।
- BNSS, 2023 दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 का स्थान लेता है।
- गगनयान का लक्ष्य निम्न पृथ्वी कक्षा (Low Earth Orbit) में मानव को भेजना है।
- पैराक्वाट एक गैर-चयनात्मक संपर्क हर्बिसाइड है।

VOCABULARY (5)

- पुनर्स्थापन — पुनः स्थापित करना; पुनर्जीवित करना।
- उदारीकरण — नियंत्रण या प्रतिबंधों को कम करना।
- अप्रत्यक्ष — किसी कार्य को बिना प्रत्यक्ष भागीदारी के करना।
- लचीलापन — कठिन परिस्थितियों में अनुकूलन की क्षमता।
- निष्पक्षता — पक्षपात रहित और न्यायसंगत व्यवहार।